प्रकाशकीय निवेदन

धवला षट्खंडागम सिद्धान्त ग्रंथके चतुर्थ खंडके १२ वे पुस्तक वेदनाभावविधानकी तृतीय आवृत्तिका प्रकाशन करनेमें हम बडे संतोषका अनुभव कर रहे है । इस ग्रंथकी द्वितीय आवृत्तिके पुनर्मुद्रणके लिए धर्मानुरागी धवला परमसंरक्षक **श्री. डॉ. अप्पासाहेब कलगोंडा नाडगौडा पाटील.** रबकवी और उनकी धर्मपत्नी **सौ. डॉ. त्रिशलादेवी नाडगौडा पाटील** इन्होंने सहयोग दिया था । और इस तृतीय आवृत्तिके लिए **श्री प्रशांतकुमार जैन**, मुंबई मार्फत श्री. आर. पी. जैन दिल्ली इन्होंने इस ग्रंथके लिए आर्थिक सहयोग दिया है । इन दोनो महानुभावोंके सहयोगसे यह प्रकाशन उपलब्ध हो रहा है । इसलिए इन दोनों दातारोंका हार्दिक अभिनंदन करते हुअे हम उनके प्रति अनेकशः धन्यवाद प्रकट करते हैं ।

इस ग्रंथका प्रूफ संशोधनकार्य श्री. धन्यकुमार जैनीके द्वारा संपन्न हुआ है । टाइपसेटिंग जीवराज ग्राफिक्स, सोलापुर इनके द्वारा संपन्न हुआ है । इनके सहयोगके लिए हम आभार प्रकट करते हैं ।

धवला षट्खंडागम पुस्तक १३ से १६ का प्रकाशनकार्य चल रहा है । जल्दही उसकाही प्रकाशन हो जाएगा ।

- रतनचंद सखाराम शहा

मंत्री